समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19 **2 अ**

जैन विद्या भाग–2

समय : ½ घण्टा पूर्णांक 30

नामांक अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :– सभी प्रश्नो के अंक समान है। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे।
अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. साधु–साध्वियों में कितने गुण पाये जाते हैं?
   (अ) सत्ताईस गुण (ब) छत्तीस गुण
   (स) पच्चीस गुण (द) आठ गुण ( )
2. आचार्य श्री रायचंदजी का जन्म कहाँ हुआ?
   (अ) सीरियारी (ब) बडी रावलिया
   (स) छोटी रावलिया (द) जयपुर ( )
3. लाभा–लाभे सुहे दुक्खे सूत्र है–
   (अ) आत्म विजय सूत्र (ब) सत्य सूत्र
   (स) अप्रमाद सूत्र (द) साम्य सूत्र ( )
4. सोलहवां बोल –
   (अ) आत्मा आठ (ब) ध्यान चार
   (स) दण्डक चौबिस (द) लेश्या छह ( )
5. भारमलजी स्वामी के अनशन का पारणा कितने दिन बाद हुआ?
   (अ) आठ दिन (ब) दो दिन
   (स) तीन दिन (द) ग्यारह दिन ( )
6. जो चेतनावान है, ज्ञानवान है, जो जानता है, जो देखता है, वह?
   (अ) पुद्गलास्तिकाय (ब) आकाशास्तिकाय
   (स) जीवास्तिकाय (द) धर्मास्तिकाय ( )
7. आचार्य का निंवाचन कौन करते हैं?
   (अ) तीर्थंकर (ब) पूर्ववर्ती आचार्य
   (स) साधु (द) उपाध्याय ( )
8. आचार्य श्री जीतमलजी के विद्या गुरु कौन थे?
   (अ) मुनि हेमराजजी स्वामी (ब) मुनि मगनलालजी स्वामी
   (स) आचार्यश्री भारमलजी (द) आचार्यश्री रायचंदजी ( )

9. जैन धर्म के चौबिसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कब हुआ?
(अ) भाद्रव शुक्ल 13 (ब) चैत्र शुक्ल 13
(स) आषाढ शुक्ल 13 (द) पौष बदी 10 ( )

10. तपस्या के द्वारा कर्मों के नष्ट होने से जो आत्मा की उज्वलता होती है, उसे–
(अ) मोक्ष (ब) आश्रव
(स) बंध (द) निर्जरा ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) पुद्गलों से बनी हुई जितनी भी चीजे है, वे सब.....।
(2) गुरुओं के प्रति.....बर्ताव करना आशातना है।
(3) .....जैन धर्म का सबसे बड़ा धर्माराधना पर्व है।
(4) आचार्य जीतमलजी की माता का नाम.....है।
(5) नौ तत्व में.....तत्व आश्रव है।
(6) तुलसी अणुव्रत.....सारे जग में.....।
(7) आकाशास्तिकाय भाव से.....है।
(8) .....में ध्यान की उत्कृष्ट साधना करने वाला शीघ्र ही मुक्त हो जाता है।
(9) जो वस्तुओं की पर्यायों के बदलने का हेतु है, उसे.....कहते है।
(10) दीक्षित करने के अधिकारी एक मात्र.....ही होते है।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगावें –

(1) जीव और पुद्गल को रहने लिए स्थान देता है, उसे धर्मास्तिकाय कहते हैं। ( )
(2) मधुर वाणी सभ्य व्यक्ति का लक्षण है। ( )
(3) अंक 33 का भांगा एक होता है। ( )
(4) बारह प्रकार के मिथ्यात्व है। ( )
(5) अपने उत्तराधिकारी का चयन करना आचार्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। ( )
(6) इस संसार में सभी प्राणी अमर है। ( )
(7) जीव और कर्म का आपस में मिलना मोक्ष है। ( )
(8) लौकिक धर्म–लोकोत्तर धर्म एक है। ( )
(9) जो व्यक्ति धर्म में दृढ़ रहता है, उसे कोई भी शक्ति विचलित नहीं कर सकती। ( )
(10) जिन उपायों से आत्मा की शुद्धि हो, वह धर्म है। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018-19 **2 ब**

जैन विद्या भाग-2

समय : 2½ घण्टा पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे।

A. लघुत्तरात्मक प्रश्न (कोई दस) 10X3=30

1. खमत खामणा का अर्थ बताओ व खमत खामणा कैसे करनी चाहिए?
2. लक्कड़ फाड़ने पर सांप का जोड़ा निकला तो राजकुमार ने क्या किया?
3. अमर रहेगा धर्म हमारा का तीसरा पद्य लिखें।
4. निर्जरा तत्व के 12 भेदों का नामोल्लेख करें।
5. पुण्य और पाप किसे कहते हैं?
6. थावच्चापुत्र के वैराग्य का कारण क्या था?
7. बड़े भाई ने नोली को नदी में क्यों बहाया?
8. धर्म स्थान में जाने का उद्देश्य क्या है?
9. दीपावली क्यों मनाई जाती है?
10. ऋषभदेव कौन थे? उनका जन्म किस काल विभाग में हुआ?
11. भारमलजी का स्वर्गवास कब व कहाँ हुआ? उनके शासनकाल में कितने साधु व साध्वियाँ थी?

B. निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। (कोई पांच) 5X8=40

1. अर्हत् वंदना का सत्य सूत्र अर्थ सहित लिखें।
2. जयाचार्य की एकाग्रता व आचार्य रायचंदजी की यात्राओं का वर्णन करें।
3. सरलता का परिणाम कहानी अपने शब्दों में लिखें?
4. द्रव्य कितने है? उनका वर्णन करें?
5. अणुव्रत गीत का अंतिम दो पद्य लिखें।
6. आश्रव व संवर को रूपक द्वारा समझाओ?